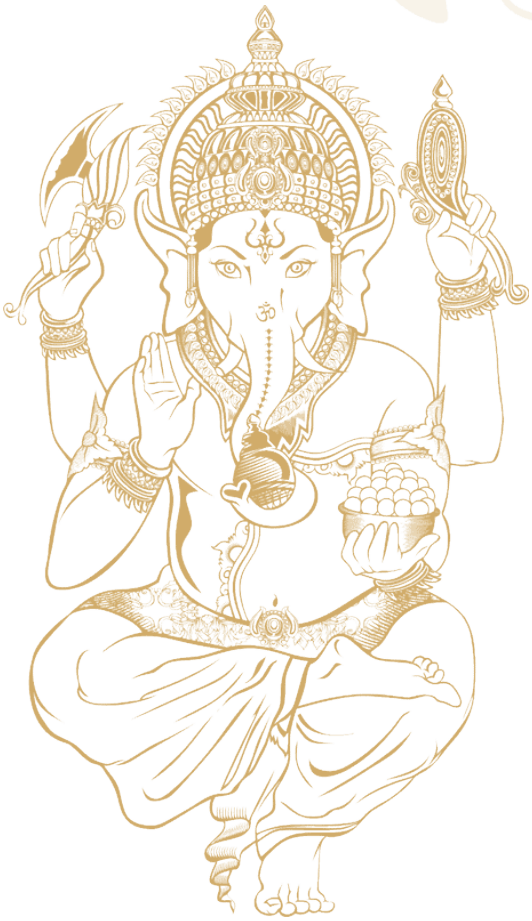

RUPESH RANI

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119719801

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119719801 Date: 10/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/12/1996	जन्म तिथि	15/05/2004
मंगलवार	दिन	शनिवार
घंटे 08:30:00	जन्म समय	11:30:00 घंटे
घटी 05:08:44	जन्म समय(घटी)	15:47:22 घटी
India	देश	India
Pandwa	स्थान	Daltonganj
24:10:11 उत्तर	अक्षांश	24:02:00 उत्तर
84:03:58 पूर्व	रेखांश	84:04:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:06:16	स्थानिक संस्कार	00:06:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:30	सूर्योदय	05:11:16
17:06:49	सूर्यास्त	18:29:14
23:48:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:54:53

धनु	लग्न	कर्क
गुरु	लग्न लग्नाधिपति	चन्द्र
वृश्चिक	राशि	मीन
मंगल	राशि-स्वामी	गुरु
ज्येष्ठा	नक्षत्र	उ०भाद्रपद
बुध	नक्षत्र स्वामी	शनि
1	चरण	4
धृति	योग	प्रीति
चतुष्पाद	करण	कौलव
नो-नौनिहाल	जन्म नामाक्षर	ञ--
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष
विप्र	वर्ण	विप्र
कीटक	वश्य	जलचर
मृग	योनि	गौ
राक्षस	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 16वर्ष 10मा 6दि		22:18:58	धनु	लग्न	कर्क	27:37:06	शनि 0वर्ष 1मा 20दि	
शुक्र		24:31:15	वृश्चि	सूर्य	वृष	00:49:37	केतु	
16/10/2020		16:47:01	वृश्चि	चंद्र	मीन	16:34:08	05/07/2021	
16/10/2040		26:50:36	सिंह	मंगल	मिथु	11:04:51	05/07/2028	
शुक्र	16/02/2024	13:53:30	धनु	बुध	मेष	05:02:02	केतु	01/12/2021
सूर्य	15/02/2025	26:26:44	धनु	गुरु	सिंह	15:09:17	शुक्र	31/01/2023
चन्द्र	17/10/2026	27:19:53	तुला	शुक्र	मिथु	02:05:05	सूर्य	08/06/2023
मंगल	17/12/2027	06:50:03	मीन	शनि	मिथु	16:18:53	चन्द्र	07/01/2024
राहु	17/12/2030	11:18:54	कन्या व	राहु	मेष	17:20:19	मंगल	04/06/2024
गुरु	17/08/2033	11:18:54	मीन व	केतु	तुला	17:20:19	राहु	23/06/2025
शनि	16/10/2036	08:20:10	मक	हर्ष	कुंभ	12:35:57	गुरु	30/05/2026
बुध	17/08/2039	02:15:36	मक	नेप	मक	21:28:39	शनि	09/07/2027
केतु	16/10/2040	09:46:29	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	27:40:45	बुध	05/07/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:52 चित्रपक्षीय अयनांश 23:54:53

लग्न-चलित

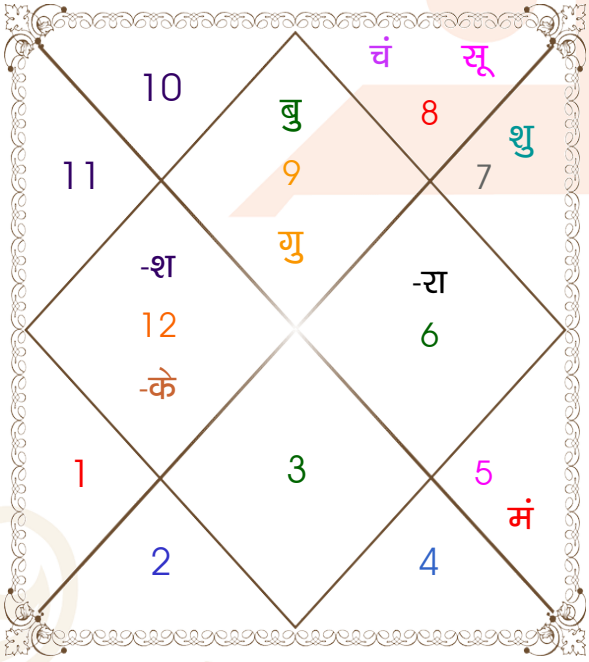

लग्न-चलित

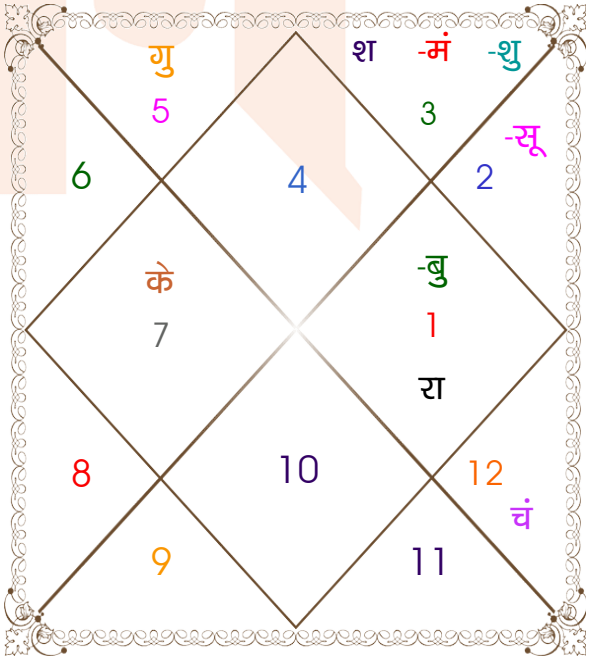

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

कुल : **21 / 36**

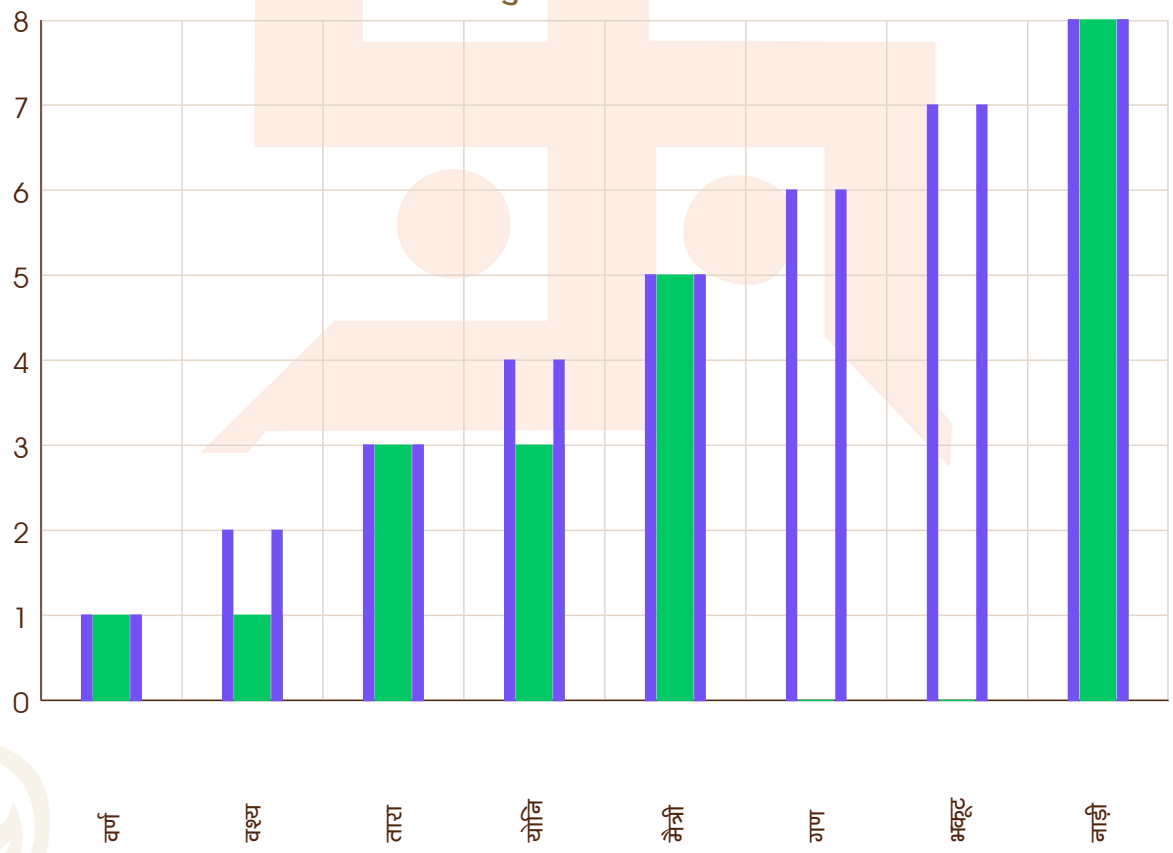

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

RUPESH का वर्ग सर्प है तथा RANI का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार RUPESH और RANI का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

RUPESH मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

RANI मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल RANI कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

RUPESH तथा RANI में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

RUPESH का वर्ण ब्राह्मण तथा RANI का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

RUPESH का वश्य कीट है एवं RANI का वश्य जलचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं कीट आपस में न तो मित्र होते हैं और न ही शत्रु। अतः कीट RUPESH एवं जलचर RANI के बीच वैवाहिक संबंध उदासीनता तथा प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। जिसके कारण इनका जीवन नीरस हो सकता है। अधिकांश समय दोनों समझौता करके तालमेल बनाने में व्यतीत करेंगे किंतु डंक मारना कीट का नैसर्गिक स्वभाव होता है अतः RUPESH यदा-कदा अस्वाभाविक व्यवहार कर सकता है जिससे RANI शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से आहत हो सकती है।

तारा

RUPESH की तारा सम्पत तथा RANI की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से RUPESH एवं RANI दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। RANI एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

RUPESH की योनि मृग है तथा RANI की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में

सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में RUPESH एवं RANI दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि RUPESH एवं RANI के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण RUPESH एवं RANI जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

RUPESH का गण राक्षस है तथा RANI का गण मनुष्य है। अर्थात RANI का गण RUPESH के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से यह संबंध अधिक दिनों तक नहीं रहने वाला होगा। दोनों के वैचारिक मतभेद परिवार के सदस्यों के जीवन को अशांत बना सकते हैं। ऐसा विवाह त्याज्य है।

भकूट

RUPESH से RANI की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा RANI से RUPESH की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारण RANI को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

RUPESH की नाड़ी आद्य है तथा RANI की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

RUPESH की जन्म राशि जलतत्व युक्त वृश्चिक तथा RANI की राशि जलतत्व युक्त मीन है। अतः इसके प्रभाव से इनकी स्वभावगत विशेषताओं में समता रहेगी तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी जिससे वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः यह मिलान अच्छा रहेगा।

RUPESH की जन्म राशि का स्वामी मंगल तथा RANI की जन्म राशि का स्वामी गुरू परस्पर मित्र भाव में स्थित है। सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से RUPESH और RANI के मध्य प्रेम सहानुभूति एवं समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख एवं सहयोग प्रदान करने में तत्पर रहेंगे साथ ही एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे एवं सच्चे मित्र की भांति गलतियों की उपेक्षा करके मधुर संबंध बनाए रखेंगे जिससे RUPESH और RANI का दाम्पत्य जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा।

RUPESH और RANI की जन्म राशि परस्पर पंचम एवं नवम भाव में पड़ती है। शास्त्र के अनुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से RUPESH और RANI के मध्य श्रेष्ठता एवं अंहकार के भाव की उत्पति होगी फलतः परस्पर संबंधों में तनाव एवं कटुता का भाव उत्पन्न होगा। वे एक दूसरे के प्रति विरोध एवं आलोचना के भाव का भी दृष्टिकोण रहेगा। अतः यदि RUPESH और RANI परस्पर सामंजस्य की प्रवृति से व्यवहार करें तो उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा उनका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा।

RUPESH का वश्य कीट तथा RANI का वश्य जलचर है। इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी समता का भाव विद्यमान रहेगा। अतः काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे ।

RUPESH और RANI दोनों का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इनकी कार्य क्षमता समान होगी तथा शैक्षणिक धार्मिक एवं अन्य सत्कार्यो को करने में प्रवृत रहेंगे। अतः कार्य क्षेत्र में भी सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

RUPESH की तारा सम्पत तथा RANI की तारा अतिमित्र है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा इच्छित मात्रा में धनार्जन करने में समर्थ होंगे तथा अन्यत्र भी लाभ मार्ग नित्य प्रशस्त रहेंगे। भकूट का इनकी आर्थिक स्थिति पर कोई शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा। लेकिन RUPESH पर मंगल के दुष्प्रभाव के कारण आर्थिक क्षेत्र में यदा कदा व्यवधान या विषमता की स्थिति आ सकती है परन्तु यह अल्प समय के लिए होगा।

RUPESH एक धनाढ्य तथा भाग्यशाली व्यक्ति होंगे तथा RANI के शुभ प्रभाव से धन वृद्धि में तत्पर रहेंगे परन्तु मंगल के प्रभाव से RANI की प्रवृति यदा कदा अनावश्यक व्यय करने

की होगी तथा व्यर्थ के विलासमय वस्तुओं पर मुक्त भाव से व्यय करेंगी। अतः RANI को चाहिए कि ऐसी प्रवृतियों की उपेक्षा करें।

स्वास्थ्य

RUPESH का जन्म आद्य तथा RANI का जन्म मध्य नाड़ी में हुआ है। अतः नाड़ी दोष का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा उत्तम स्वास्थ्य का उपभोग करते हुए ये अपना दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। लेकिन यदा कदा मंगल का दुष्प्रभाव RUPESH के स्वास्थ्य पर होगा। इसके प्रभाव से वे समय समय पर पित या गर्मी के द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा हृदय संबधी परेशानियां भी हो सकती है। साथ ही धातु या काम क्रिया संबधी शिथिलता का भाव भी होगा। इससे परस्पर यदा कदा असन्तुष्टि का भाव उत्पन्न हो सकता है लेकिन इसका कोई गंभीर परिणाम नहीं होगा तथा सामान्यतया दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता बनी रहेगी। मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए RUPESH को नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा तथा मंगलवार का व्रत करना चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से RUPESH और RANI का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त RUPESH और RANI के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में RANI के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन RANI को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में RANI को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से RUPESH और RANI सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार RUPESH और RANI का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

RANI के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद RANI अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से RANI पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि RANI अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

RUPESH के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को RUPESH अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी RUPESH के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण RUPESH के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।